इकाई 7

विविध

इकाई एक से छः तक आपने विशिष्ट विषयों पर आधारित रचनाओं का अध्ययन किया है। प्रस्तुत इकाई–सात में शामिल रचनाएँ विषय, विधा और भाव की दृष्टि से विविधतापूर्ण हैं।

इसके अंतर्गत जहाँ एक ओर कबीर, सूर, तुलसी और धनी धरमदास जैसे मध्ययुगीन (भक्तिकालीन) कवियों के **पद** दिए गए हैं, वहीं दूसरी ओर आधुनिक कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता **आ रही रवि की सवारी** एवं विनोद कुमार शुक्ल की कविता **अपने हिस्से में लोग आकाश देखते हैं** सम्मिलित की गई हैं। दो भिन्न युगों के पद्य में आपको अत्यंत भिन्नता दिखाई देगी। ये भिन्नताएँ भाषा, भाव, छंद और उद्देश्यों में मिलेंगी। भक्तिकाल की कविताओं का मुख्य भाव किसी–न–किसी रूप में ईश्वर की आराधना तथा आचार की पवित्रता है। सगुण भक्त कवि सूर और तुलसी राम और कृष्ण दोनों को ईश्वर के रूप में देखते हैं, इसके समानांतर निर्गुण भक्तिधारा के कवि कबीर और धनी धरमदास ईश्वर को निराकार रूप में मानते हैं।

आधुनिक युग के कवि बच्चन ने प्रकृति का मोहक वर्णन किया है और प्रातःकालीन दृश्य को जीवंत कर दिया है। **शुक्ल** की कविता पूरी तरह छंदमुक्त व आंतरिक लय से युक्त हैं तथा वर्तमान में मानव–जीवन में व्याप्त अभाव, चिंता, संघर्ष और अन्याय को व्यक्त करती है।

प्रसिद्ध कथाकार और उपन्यासकार यशपाल की कहानी **अख़बार में नाम** को भी इस इकाई में शामिल किया गया है। इसमें कथ्य की नवीनता और रोचकता है। प्रचार–प्रसार में अखबार की भूमिका तथा उसमें स्थान पाने की लालसा को यह कहानी विशेष रूप से उभारती है।

प्रस्तुत इकाई के माध्यम से विभिन्न साहित्यिक आस्वाद की मिली–जुली रचनाएँ एक साथ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसका उद्देश्य साहित्यिक अध्ययन में तुलनात्मक एवं तार्किक क्षमता को विकसित करना है।